इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 8 दिसम्बर 2023

मन एक भीरु शत्रु है
जो सदैव पीठ के पीछे से
वार करता है।
- प्रेमचंद

वर्ष 16 अंक 94 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

तापमान - अधिकतम 25.6°C (+0.3) न्यूनतम 15.5°C(+5.3) सेंसेक्स 69,521.69 (-132.04) निफ्टी 20,901.15 (-036.55) सोना 62,930 चांदी 77,200 मुद्रा - डालर 83.34 दिरहम 22.69 रियाल 22.22

एरा विश्वविद्यालय में 'स्वास्थ्य के लिए एक साथ' विषय पर पहला राष्ट्रीय सम्मेलन आज से

- सोसाइटी फॉर एलाइड हेल्थ एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स एजुकेशन एंड रिसर्च करेगा आयोजन
- देशभर से 300 से ज्यादा प्रतिभागी सम्मेलन में होंगे शामिल

लखनऊ (ब्यूरो)। एरा यूनिवर्सिटी में 'स्वास्थ्य के लिए एक साथ' विषय पर पहला दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आठ दिसंबर से शुरु हो रहा है। सम्मेलन का आयोजन सोसाइटी फॉर एलाइड हेल्थ एंड हेल्थकेयर प्रोफेशन्स एजुकेशन एंड रिसर्च करेगा। नौ दिसंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन में देशभर से 300 से ज्यादा प्रतिभागी शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्देश्य है विशेषज्ञों का एक मंच प्रदान करना। उन्हें साथ लाना। वैज्ञानिक, चिकित्सक और शिक्षाविद एक साथ, एक छत के नीचे होंगे जो ज्ञान को साझा कर सकेंगे। एक साझा लक्ष्य की दिशा में काम करने के लिए एकजुट होंगे।

एरा यूनिवर्सिटी के मिनी आडिटोरियम में आठ दिसंबर को आलोक कुमार सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय, वाइस चांसलर प्रोफेसर (डॉ.) अब्बास अली मेहदी की उपस्थिति में सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन के कुछ प्रमुख वक्ताओं में प्रोफेसर डॉ. आर. हरिहर प्रकाश, प्रिंसिपल केएम पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी भाईकाका विश्वविद्यालय गुजरात, रोहतक से डॉ. संजू नंदा, ऋषिकेश से डॉ. स्मृति अरोड़ा, लखनऊ से डॉ. प्रीसिला फर्नांडिस, मणिपाल से डॉ. एल्सा देवी, हैदराबाद से डॉ. अंकुर भार्गव, देहरादून से डॉ. सुनील भट्ट, मुंबई से डॉ. अली ईरानी, डॉ. राहत हादी, डॉ. कल्पना सिंह, लखनऊ से डॉ. गौरव उपस्थित रहेंगे।

सम्मेलन से पूर्व गुरुवार को 15 प्री-कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जिनमें 460 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। 'लम्बर स्पाइनल मैनिपुलेशन' पर कार्यशाला का संचालन डॉ. सुनील भट्ट, प्रोफेसर, डॉल्फिन इंस्टीट्यूट, देहरादून द्वारा किया गया। उन्होंने लम्बर स्पाइनल मैनिपुलेशन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि एक ऐसी तकनीक है जिसके जरिये रीढ़ की हड्डी के जोड़ों पर बल लगाकर पीठ दर्द, गर्दन के दर्द और अन्य मस्कुलोस्केलेटल स्थितियों का इलाज किया जाता है। रीढ़ में निष्क्रिय क्षेत्रों का ऐसा उपचार जो रीढ़ की संरचनात्मक संरचना को बहाल कर सकता है। 'आईएसबीएआर-प्रभावी रिपोर्टिंग के लिए एक उपकरण' पर कार्यशाला का संचालन सुश्री प्रीसिला फर्नांडीस निदेशक नर्सिंग, मेदांता, लखनऊ द्वारा किया गया था। आईएसबीएआर एक रोगी सुरक्षा संचार संरचना है जो प्रभावी रिपोर्टिंग के लिए स्वास्थ्य कर्मियों के बीच सरलीकृत, प्रभावी, संरचित और प्रत्याशित संचार में सहायता करती है। 'फिजियोथेरेपी प्रैक्टिस में नवाचार के अनुप्रयोग' पर कार्यशाला का संचालन डॉ. अली ईरानी, प्रमुख, फिजियोथेरेपी, नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, मुंबई द्वारा किया गया था।

'बच्चे जन्म की तैयारी या बच्चे के जन्म की शिक्षा' पर आयोजित कार्यशाला का संचालन सहारा कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल प्रो. रोसिली निर्मल ने किया। उन्होंने कहा कि जन्म की शिक्षा का उद्देश्य है कि जन्म दोषों के लक्षण क्या हैं? उनकी पहचान करना और उन्हें रोकना है। केजीएमयू के जैव रसायन विज्ञान की डॉ. कल्पना सिंह ने 'चिकित्सा प्रयोगशाला में गुणवत्ता नियंत्रण' पर वार्ता की। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज हैदराबाद के निदेशक डॉ. अंकुर भार्गव ने 'फॉर्मूलेशन डेवलपमेंट भाग एक के लिए क्यूबीडी दृष्टिकोण' पर कार्यशाला की। 'डीएआरटीः ईट राइट इंडिया' पर कार्यशाला का संचालन किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय लखनऊ की वरिष्ठ आहार विशेषज्ञ सुश्री शालिनी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य व्यक्तियों और समूहों को शिक्षित करना है ताकि वे स्वस्थ भोजन की आदतें अपनाएं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने देश में एक 'नई खाद्य संस्कृति' की शुरुआत करने के आदर्श वाक्य के साथ 2018 में 'ईट राइट इंडिया' आंदोलन शुरू किया, जो सुरक्षित और स्वस्थ दोनों है।

'आईपीसीपी अप्रोच टू ट्रेकियोस्टोमी' पर कार्यशाला का संचालन एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लखनऊ के ईएनटी विभाग की प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. अनुजा भार्गव द्वारा किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को टीम वर्क के साथ काम करने, रोगी देखभाल में सुधार के लिए एक-दूसरे की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को जानने के लिए एक गहन वातावरण का अनुभव करने में सक्षम बनाना था।

'नर्सिंग शिक्षा में चिंतनशील अभ्यास' पर कार्यशाला का संचालन प्रोफेसर (डॉ.) प्रिसिला सैमसन, प्रिंसिपल नर्सिंग कालेज एरा विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था, जहां उन्होंने बताया कि सीखने की गुणवत्ता में सुधार के लिए चिंतनशील शिक्षण का उपयोग कैसे किया जा सकता है। 'रेडियोलॉजिकल इमेजिंग तकनीकों के अवसर और चुनौतियां' विषय पर कार्यशाला का संचालन डॉ. राहत हादी, प्रोफेसर, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान लखनऊ द्वारा किया गया, जहां उन्होंने रेडियोलॉजिकल इमेजिंग तकनीकों से संबंधित विभिन्न अवसरों और चुनौतियों के बारे में चर्चा की। 'स्व-निर्देशित शिक्षण (एसडीएल) को लागू करना-जीवन भर सीखने की ओर एक कदम' विषय पर कार्यशाला का संचालन प्रोफेसर सुचेता दांडेकर और प्रोफेसर निर्मला, एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज, एरा विश्वविद्यालय द्वारा किया गया, जहां उन्होंने अवधारणा के बारे में चर्चा की। नेत्र अस्पताल सीतापुर की डॉ. रंजना शुक्ला ने आंखों के माध्यम से दूरबीन दृष्टि के रहस्यों पर आधारित वर्कशाप का संचालन किया। एरा यूनिवर्सिटी के माइक्रोबॉयलोजी विभाग की प्रोफेसर फरेया हैदर ने 'स्वास्थ्य देखभाल में मानक सावधानियां क्या हैं' इस पर आयोजित वर्कशाल का संचालन किया।